अनुमान : वृद्धि दर बढ़ेगी और महंगाई घटेगी

चुनौतियां

08/04/2022

अच्छे संकेत

नई दिल्ली, विसं। ग्लोबल कंसल्टिंग फर्म केपीएमजी के मुताबिक भारत की मौजूदा नीतियां आने वाले सालों में देश की आर्थिक रफ्तार को बढ़ाए रखेंगी।

देश में इंफ्रास्ट्रक्चर पर किए जा रहे फोकस और निवेश की वजह से न सिर्फ आर्थिक रफ्तार बढ़ेगी बल्कि बेरोजगारी भी घटेगी और 2022 में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में शामिल रहेगा। रिजर्व बैंक ने इस वित्तवर्ष में भारत की आर्थिक रफ्तार 9.2 व वित्तवर्ष 2023 में 7.8 रहने का अनुमान जताया है।

खुदरा महंगाई

रिपोर्ट में यूक्रेन-रूस युद्ध से उपजे हालातों से भारत में बढ़ते पेट्रोलियम पदार्थ के दाम से खुदरा महंगाई में वृद्धि पर चिंता जताई गई है। महंगा कच्चा तेल दैनिक जीवन पर असर डाल सकता है।

टीकाकरण

तेज वैक्सीनेशन कार्यक्रम से भारत तीसरी लहर के असर को रोक कर आर्थिक सुधार के मोर्चे पर भी आगे बढ़ रहा है। मोबिलिटी इंडेक्स, डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन, बिजली की मांग सभी आगे बढ़ रहे हैं।

आयात निर्भरता

कमोडिटी के बढ़ते दाम भी औद्योगिक क्षेत्र के लिए चुनौती बना है। आयात

निर्भरता भी संकट का कारण बन सकता है।

भारत के लिए आकलन

वित्तवर्ष	2021	2022	2023
जीडीपी	-7.3	9.2	7.7
महंगाई	6.2	5.4	4.5
बेरोजगारी दर	10.1	9.2	9.1

स्रोत: सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय, सीएमआईई, केपीएमजी एनालिसिस

बेरोजगारी पर नियंत्रण

वित्तवर्ष 2021-22 में बेरोजगारी दर घटकर 9.2 फीसदी व उसके अगले वित्तवर्ष में 9.1 रहने की संभावना है। निवेश बढ़ाकर कामयाबी पाई जा सकती है।

4

1

महंगाई पर लगाम

3 वर्तमान और आने वाले वित्तवर्ष के दौरान महंगाई क्रमश: 5 .4 और 4 .5 फीसदी रहने का अनुमान जताया गया है।

जीडीपी घटने के संकेत

2 केपीएमजी के भारत के लिए किए गए आकलन के हिसाब से वित्तवर्ष 2021-22 में जीडीपी 9 .2 और वित्तवर्ष 2022-23 में 7 .7% रह सकती है।

कोरोना की चौथी लहर

4 कोरोना की चौथी लहर की भी देश की अर्थव्यवस्था की रफ्तार के लिए एक संभावित खतरे के तौर पर देखा जा रहा है।

1

3

चिप संकट

2 कोरोना से ऑटो उद्योग सेमीकंडक्टर की किल्लत से जूझ रहा था और रूस-यूक्रेन युद्ध से चिप की आपूर्ति रुकने से बड़ा संकट पैदा हो गया है।